

REPORT OF WORLD FORESTRY DAY – 21ST MARCH 2022 , AFRI, JODHPUR



Arid Forest Research Institute was celebrated World Forestry Day on 21st March 2022 in chairmanship of Sh. M.R. Baloch, Director, AFRI. In welcome speech he talked about how overuses of fertilizers are reduce the soil fertility and adverse effects of chemical fertilizers. He also emphasized on carbon fixation by planting more and more trees. Chief Guest of program was Dr. Genda Singh, Retd. Scientist-G from AFRI, delivered a lecture on “Restoring Degraded Lands through Forestry Interventions”. He had given detailed information about degraded lands, six different climatic zone, aridity index, different types of erosion, methods of sand dune stabilization, forestry plant species which are helping in rehabilitation of saline lands and water harvesting structures. Dr. Tarun Kant, Group Co-ordinator (Research) has given brief introduction about World Forestry Day and significance of the days celebrations in his address. A poster Competition was also organized under “Azadi Ka Amrut Mahotsav” for AFRI Employee. The theme of the competition was “Forest and sustainable production and consumption”. The winners Sh. Surendra Meghwal (I), Ms. Priya Rathod (II) and Sh. Arihant Lunawat (III) was awarded by Certificates. The program was hosted by Dr. Bilas Singh, CTO, Extension Division. All Employee and Scholars are attended the program.









आफरी में विश्व वानिकी दिवस

विश्ववास एक्सप्रेस

जोधपुर। वन एवं वन्यजीव का सम्बन्ध मानव के अस्तित्व से है तथा वानिकी के बिना शुद्ध जलवायु एवं स्वस्थ वातावरण संभव नहीं है, यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) निदेशक एमआर बालोच ने विश्व वानिकी दिवस पर आफरी में आयोजित समारोह में अपने उद्घोषण में व्यक्त किए। बालोच ने भूमि की उर्वरकता में कमी तथा रासायनिक उर्वरकों से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं कार्बन सिंक बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आफरी के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने अवकृति भूमि का वानिकी कार्यों द्वारा पुनर्स्थापन विषयक अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान में कुल वानिकी क्षेत्र 24.62 प्रतिशत है जिसे 33 प्रतिशत तक करने हेतु समन्वित रूप से प्रयास करने की जरूरत है। डॉ. सिंह ने बताया कि 2050 तक मिट्टी में कार्बनिक कार्बन 212 गीगा टन तक कम हो जाएगा जिससे उत्पादकता में कमी आएगी तथा खाद्य सुरक्षा पर संकट आ जाएगा। डॉ. सिंह ने वानिकी

किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. तरुणकान्त ने किया। कार्यक्रम में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता क्रमशः सुरेन्द्र मेघवाल, प्रिया रावैड, अरिहन्त लुगावत रहे।

मेहरानगढ़ पहाड़ी पर्यावरण समिति द्वारा आयोजित विश्व वानिकी कार्यक्रम में आफरी निदेशक एमआर बालोच ने अपने उद्घोषण में देश के विभिन्न प्रकार के वन क्षेत्रों एवं

शुष्क क्षेत्र की वानिकी के पौधरोपण को बढ़ावा देने, महिला आवश्यकता प्रतिपत्ति लिए स्वस्थ एवं शुद्ध पर्यावरण करने अधिकतम पौधरोपण करने पर बल दिया। इस अवसर पर गोस्वामी ने भी अपने विचार

